

विषय-सूची

पुरोवाक्	i
सम्पादकीय	iii-v
इकाई - 1 इतिहास एवं परिचय	1-15
प्रयोजन	2
प्रस्तावना	2
1.1 वास्तुशास्त्र एवं उसका स्वरूप	2-4
1.2 वास्तुशास्त्र का महत्त्व एवं उपयोगिता	4
1.3 वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास	4-5
1.4 वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक	5-6
1.5 वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थ एवं आचार्य	6-14
1.6 वर्तमान में वास्तुशास्त्र के अध्ययन केन्द्र	14-15
इकाई - 1 वास्तुशास्त्र का लक्ष्य एवं प्रतिपाद्य	16-26
प्रयोजन	17
प्रस्तावना	17-18
2.1 वास्तुशास्त्र का लक्ष्य	18
2.2 वास्तुशास्त्र का प्रतिपाद्य	18-19
2.3 वास्तुशास्त्र शक्तियों का उपयोग	19-24
2.4 वास्तुशास्त्र एवं पञ्चमहाभूत	24
2.4.1 आकाश	25
2.4.2 वायु	25
2.4.3 अग्नि	25
2.4.4 जल	26
2.4.5 पृथ्वी	26

इकाई - 3 वास्तु एवं उसके भेद	27-43
प्रयोजन	28
प्रस्तावना	28-29
3.1 आवासीय वास्तु	29-34
1. पर्णकुटी/झोपड़ी	30
2. लकड़ी के घर	30-31
3. कच्चे घर	31
4. पक्के घर	
क. हवेली/बंगलो, ख. महल, ग. फ्लैट	31-32
5. वास्तुसम्मत बहुमंजिले आवासीय फ्लैट्स का निर्माण	33-34
3.2 व्यावसायिक वास्तु	34-39
क. व्यापारिक	34-37
1. दुकान/शोरूम/कार्यालय	34-35
2. होटल/रिसार्ट/क्लब	35-36
3. अस्पताल/नर्सिंगहोम	36
4. शिक्षा संस्थान	36-37
ख. औद्योगिक	37-39
1. कुटीर-उद्योग	38
2. लघु-उद्योग	38
3. मिल/कारखाने	38-39
3.3 धार्मिक वास्तु	39-43
धार्मिक संस्थान	39
क. मन्दिर, गुरुद्वारा	39-40
ख. आश्रम/मठ/स्थानक/बौद्ध विहार	40-41
ग. धर्मशाला/अतिथिगृह/सामुदायिक केन्द्र	41
घ. कूप/वापी/तडाग	41-42
ङ. सरोवर	42-43

इकाई - 6 भूमि एवं भूखण्ड विचार	44-85
प्रयोजन	45
प्रस्तावना	45
4.1 भूमि की गुणवत्ता	45-47
4.2 प्रशस्त भूमि	48
4.3 भूमि की ढलान (प्लवत्त्व)	48-51
4.4 भूमि परीक्षण, शल्योद्धार	51-55
4.5 आसपास का वातावरण	56-57
4.6 भूखण्ड की आकृति का अध्ययन	57-69
4.7 भूखण्ड का विस्तार व कटान	70-78
4.8 भूखण्ड पर वेशविचार	78-82
4.9 भूखण्डों की श्रेणियाँ	83-85

इकाई - 5 आवासीय वास्तु का निर्माण	86-121
प्रयोजन	87
प्रस्तावना	87
5.1 आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण	87-97
5.2 आज के सन्दर्भ में भवननिर्माण की समीक्षा	97-102
5.3 द्वार-विचार (भवन का द्वार)	103-107
5.4 खिड़की/झरोखा/बरामदा	108
5.5 कुआँ, बोरिंग, भूमिगत टंकी	108-109
5.6 सेप्टिक टैंक	109-110
5.7 भवन की ऊँचाई	110-112
5.8 वास्तुसम्मत एवं वास्तुविरुद्ध नक्शे	112-117
5.9 वास्तुशास्त्र: पचास सूत्रों में	117-121

इकाई - 6	ज्योतिष एवं वास्तु	122-132
	प्रयोजन	123
	प्रस्तावना	123
6.1	ज्योतिष एवं वास्तु	123
6.2	खातशिलान्यास के लिये दिशा का विचार	124-125
6.3	गृहारम्भ का मुहूर्त	125-127
6.4	वृषवास्तु चक्र विचार	127
6.5	गृहारम्भ में निषेध	128
6.6	द्वारस्थापना मुहूर्त	128-129
6.7	नूतन-गृहप्रवेश मुहूर्त	129-130
6.8	कलश (कुम्भ) चक्र शुद्धि	130-131
6.9	जीर्ण-गृहप्रवेश मुहूर्त	131
6.10	सर्वत्र उपयोगी चन्द्र शुद्धि	131
6.11	गृहप्रवेश की विधि	132
	परिशिष्ट	133-146
रेखाचित्र-	1. गृहप्रवेशे वास्तुशान्तौ "चतुरस्रे एकाशीतिपदो वास्तुनरः"	149
रेखाचित्र-	2. "देवप्रतिष्ठायाम्" चतुरस्रे चतुष्पष्टिपदो वास्तुनरः	150